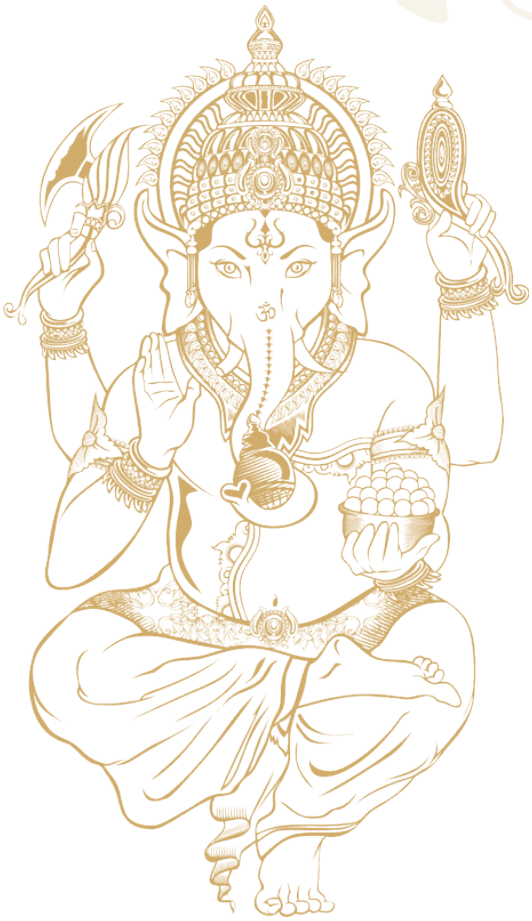

Mr.abhisek

Ms.shiwani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119152601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119152601 Date: 19/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/06/1998	जन्म तिथि	22-23/12/1999
शुक्रवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 09:25:00	जन्म समय	04:34:00 घंटे
घटी 10:15:46	जन्म समय(घटी)	53:10:04 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Kangra
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	32:04:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:41	सूर्योदय	07:21:57
19:29:10	सूर्यास्त	17:24:42
23:50:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:10
कर्क	लग्न	तुला
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मीन	राशि	मिथुन
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
रेवती	नक्षत्र	आर्द्रा
बुध	नक्षत्र स्वामी	राहु
3	चरण	2
शोभन	योग	शुक्ल
वणिज	करण	बालव
चा-चाणक्य	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 4वर्ष 3मा 11दि		25:48:27	कर्क	लग्न	तुला	29:39:00	राहु 13वर्ष 4मा 15दि	
शुक्र		03:51:16	मिथु	सूर्य	धनु	06:47:52	गुरु	
29/09/2009		26:38:34	मीन	चंद्र	मिथु	10:05:32	08/05/2013	
29/09/2029		24:24:04	वृष	मंगल	मक	26:42:51	08/05/2029	
शुक्र	29/01/2013	14:25:04	मिथु	बुध	वृश्चि	23:25:17	गुरु	26/06/2015
सूर्य	29/01/2014	02:54:21	मीन	गुरु	मेष	01:09:59	शनि	07/01/2018
चन्द्र	30/09/2015	29:49:40	मेष	शुक्र	तुला	26:14:19	बुध	13/04/2020
मंगल	29/11/2016	07:05:26	मेष	शनि व	मेष	16:48:50	केतु	20/03/2021
राहु	29/11/2019	10:02:54	सिंह व	राहु व	कर्क	10:09:49	शुक्र	19/11/2023
गुरु	30/07/2022	10:02:54	कुंभ व	केतु व	मक	10:09:49	सूर्य	07/09/2024
शनि	29/09/2025	18:29:42	मक व	हर्ष	मक	20:29:51	चन्द्र	07/01/2026
बुध	30/07/2028	07:48:30	मक व	नेप	मक	09:00:42	मंगल	13/12/2026
केतु	29/09/2029	12:16:46	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:15:22	राहु	08/05/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:10

लग्न-चलित

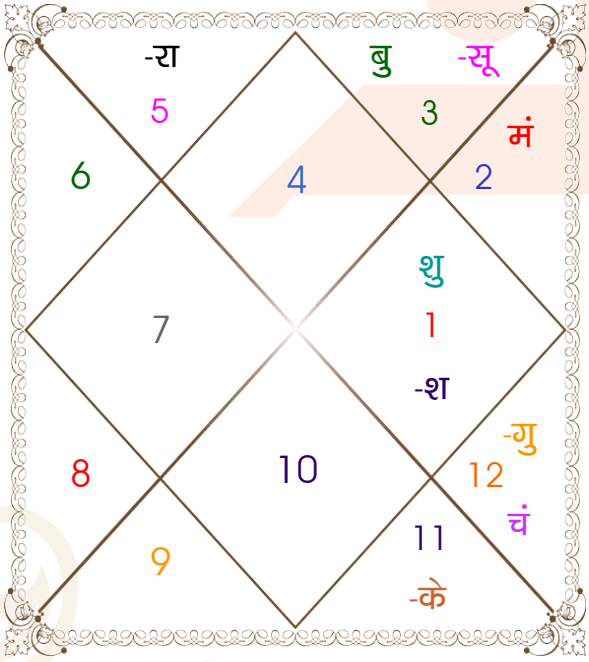

लग्न-चलित

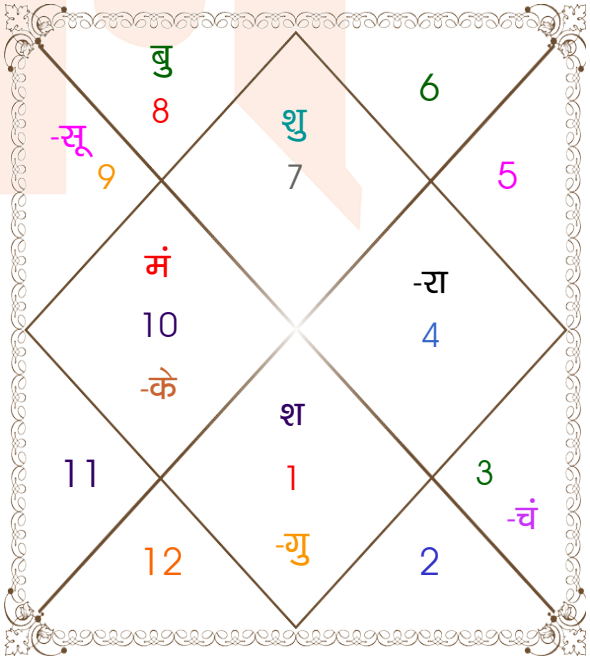

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

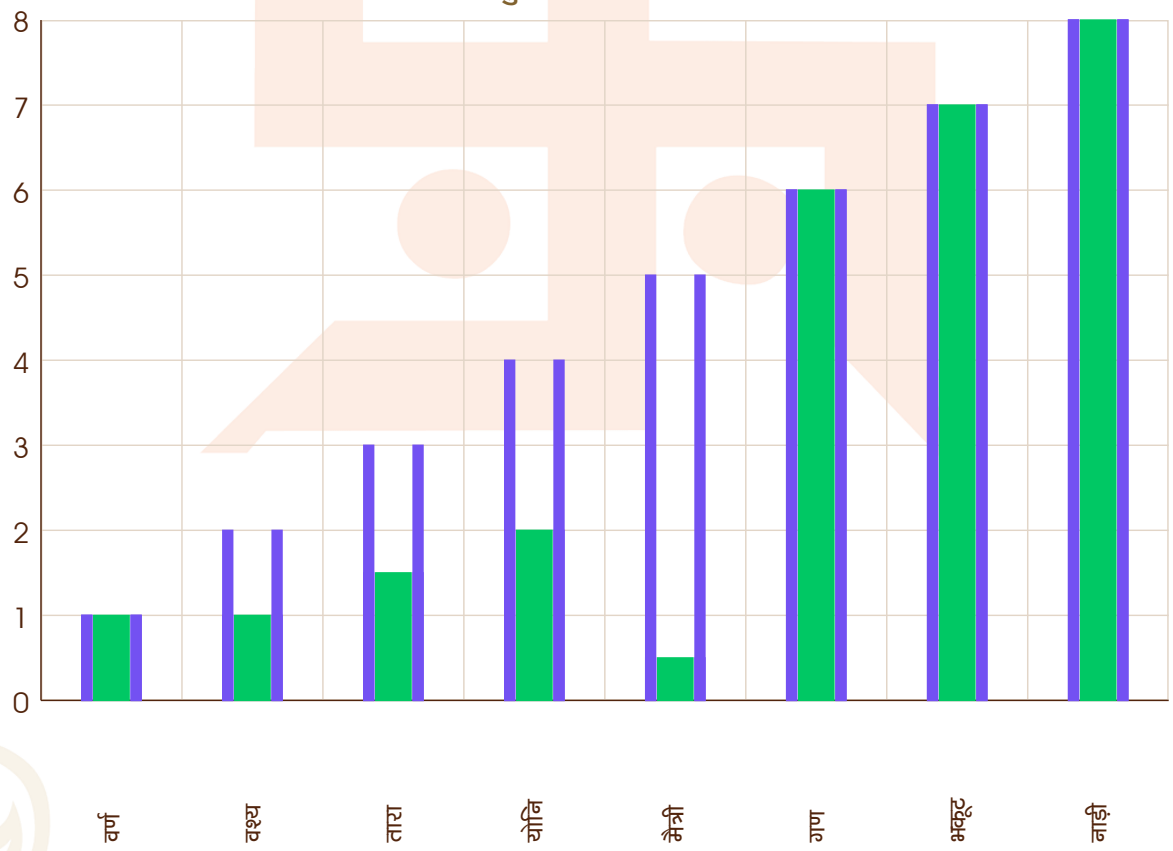

अष्टकूट मिलान

Mr.abhisek का वर्ग सिंह है तथा Ms.shiwani का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.abhisek और Ms.shiwani का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.abhisek मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.shiwani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.shiwani कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhisek कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.abhisek तथा Ms.shiwani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.abhisek का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.shiwani का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms.shiwani सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Ms.shiwani एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Mr.abhisek का वश्य जलचर है एवं Ms.shiwani का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms.shiwani अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Mr.abhisek उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Mr.abhisek की तारा क्षेम तथा Ms.shiwani की तारा वध है। Ms.shiwani की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.abhisek एवं Ms.shiwani दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.shiwani अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.abhisek की योनि गज है तथा Ms.shiwani की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.abhisek का राशि स्वामी Ms.shiwani के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.shiwani का राशि स्वामी Mr.abhisek के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.abhisek का गण देव तथा Ms.shiwani का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.shiwani अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr.abhisek से Ms.shiwani की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ms.shiwani से Mr.abhisek की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.abhisek परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ms.shiwani

घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr.abhisek की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.shiwani की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.abhisek की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.shiwani की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.abhisek की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms.shiwani की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। जल तथा वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत विषमता होगी जिससे सम्बंधो में मधुरता की न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Mr.abhisek की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.shiwani की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं शत्रु है अतः इसके प्रभाव से Mr.abhisek और Ms.shiwani के संबंधों में तनाव रहेगा तथा परस्पर मतभेद एवं विरोध एवं का भाव भी यदा कदा परिलक्षित होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वैमनस्य एवं आलोचनात्मक भावों में वृद्धि होगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुखद क्षणों की कमी रहेगी तथा अधिकतर समय विवाद में ही व्यतीत होगा।

Mr.abhisek और Ms.shiwani की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव मे पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं आकर्षण का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबंधों में मधुरता के भाव में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुख शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही एक दूसरे का सुख सुविधा का ध्यान रखने के लिए दोनों तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुखों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.abhisek का वश्य जलचर तथा Ms.shiwani का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव होगा साथ ही कामसंबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे परस्पर कलह तथा तनाव का भाव होगा।

Mr.abhisek का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.shiwani का वर्ण शूद्र है। अतः Mr.abhisek की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य करने में रहेगी जबकि Ms.shiwani की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी फलतः कार्य क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी।

धन

Mr.abhisek और Ms.shiwani दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.abhisek का जन्म अन्त्य तथा Ms.shiwani का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Mr.abhisek को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.abhisek हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Mr.abhisek को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.abhisek और Ms.shiwani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.abhisek और Ms.shiwani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.shiwani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.shiwani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.shiwani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.abhisek और Ms.shiwani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.abhisek और Ms.shiwani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.shiwani के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.shiwani के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं

रहेंगे।

Ms.shiwani अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.shiwani के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.abhisek के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.abhisek के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.abhisek के प्रति सामान्य ही रहेगा।